निखिल
सहस्त्रनाम

अपनो से अपनी बात

पूज्य गुरुदेव से आज्ञा प्राप्त कर सुबह-सुबह मैं स्नान, संध्यादि से निवृत्त हो गुरुधाम जा पहुँचा। मन में एक उमंग थी कि पूज्य गुरुवर से मिलना होगा और मुझे आगे का क्रम प्राप्त होगा। गुरुदेव ने बैठने के लिए कहा, उस समय वे आगंतुकों से मिल रहे थे। दोपहर हो चली परंतु मिलना ना हो सका। पूज्य गुरुवंर ने स्वयं बुलाकर भोजन करने का आदेश दिया। मेरे लिए यह एक सुखद अनुभव था मेरे गुरुदेव इतने व्यस्त होते हुए भी मेरा इतना ध्यान रख रहे है। मैं कुछ भी ना कह सका और गुरु प्रसाद प्राप्त कर पुनः मुख्य हॉल में आ बैठा। कुछं ही समय बाद पूज्य गुरुवर पुनः आगंतुको से मिलने के लिये आ गये परंतु कुछ ऐसा था कि मिलने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही थी। जब भी कोई गुरुदेव से मिलकर लौटता तो ऐसा लगता था कि वह समस्त तनावों से मुक्त हो, चेहरे पर विषाद के कोई चिह्न नहीं होते थे। सभी शीघ्रातिशीघ्र गुरुदेव से मिलना चाहते थे। यह क्रम चलता रहा लगभग पौने नौ बजे पूज्य गुरुदेव ने कक्ष के बाहर आकर मुझे पूज्य श्री नंदकिशोर गुरुदेव से मिलने की आज्ञा दी तथा कहा कि मैं उनसे मिले बिना नहीं जाऊंगा। मैं विस्मित तो हुआ परंतु गुरु आज्ञा शिरोधार्य कर पूज्यपाद के चरणों में उपस्थित हुआ। पूज्य श्री से चर्चा के दौरान जब मैंने निखिल सहस्त्रनाम के विषय में जानना चाहा, तो उन्होंने अत्यंत प्रेम पूर्वक

मेरे सिर पर तो उन्होंने अत्यंत प्रेम पूर्वक मेरे सिर पर दोनों हाथ रख दिए और सस्वर सहस्त्रनाम का उच्चारण प्रारंभ कर दिया। मैंने और मेरे भाई श्री सुमित ने उसको अपनी डायरी में लिखने का प्रयास किया। पूज्यपाद ने बताया कि यह सोलह भागों मे विभक्त है, १०८ श्लोकों वाले इस सहस्त्रनाम में सात गुरु मंत्र हैं जो प्राप्त होना अपने आप में जीवन की पूर्णता, सफलता है, इसमें सोलह कलाओं के रहस्य भी स्पष्ट हैं। इसमें पूज्य गुरुदेव के सन्यासी जीवन तथा गृहस्थ जीवन के गुरु मंत्र भी हैं। वास्तव में यह गागर में सागरवत है और शरीरगत नाड़ियों पर भी प्रभावी है।

पूज्यपाद के चरणों पर मैंने बार-बार नमन किया, इतने में ही पूज्य गुरुवर भी उसी कक्ष में आ गये। रात्रि के लगभग ११ बज गये थे। अब मैं समझ पा रहा था कि आज यह परीक्षा क्यों हुई थी, परंतु जो कुछ प्राप्त हुआ था वह तो परीक्षा से कहीं अधिक था। वास्तव में यह गुरूवर की अहैतुकी कृपा नहीं तो और क्या है। पूज्य गुरुदेव से त्रुटियों के लिये क्षमाप्रार्थना करते हुए यह सहस्त्रनाम आप तक पहुँच रहा है।

इस सहस्त्रनाम को आप तक पहुँचाने में निखिल वाणी टीम तथा विशेषकर श्री सुमित, श्री शंकर, श्री बाला, श्री वरूण तथा श्री आनंद का प्रयास सराहनीय है।

श्री गुरु चरणरज
अमित सक्सेना

ॐ

ॐ

॥ श्री गुरु चरण कमलेभ्यो नमः ॥

येनोदात्त तपः चयेन सततं सन्यस्तमाभूषितम्, ब्रह्मानन्द रसेनषिक्त मनसा शिष्याश्च संभाविताः ।
ब्रह्माण्डं नवरागरंजित वपुः हस्तामलवद् धृतम्, सोऽयं भूतिविभूषितः गुरुवरः निखिलेश्वरः पातु माम् ॥१ ॥

ॐ कारेश्वर परब्रह्मस्वरूपाय, ब्रह्माण्डेश्वर, त्रिकाल ज्ञान संपनाय गुरुभ्यो नमो नमः ।
नमः शुद्ध विद्या रूपाय, ब्रह्म पथ प्रदर्शये, ओंकार रूपाय, निर्वाण कला प्रदायिने नमो नमः ॥२ ॥

नमः भव संसार तारिणे, भवबाधा विघातिने, घृणिश्वराय, क्षेत्रदाय, कल्पस्वरूपाय नमो नमः ।
नमः अद्वैतेश्वर, काल पुरूषाय, अभीरवे, डिम्भाय, शान्ताय, **ब्रह्मनाथाय** नमो नमः ॥३ ॥

नमः कृपावलम्बनाय, कल्प तरुये, कोटि कोटि सदृशाय, सुरमये नमो नमः ।
नमः पवित्रेश्वर, महा अभयंकराय, साक्षान्मोक्षकराय, परमपुरुषाय, **चैतन्येस्वरुपाय** नमो नमः ॥४ ॥

नमः सर्वसम्पदाय, वेद पराभ्यां, सिद्धाश्रम प्रतीकाय, प्रत्यक्ष महेश्वराय नमो नमः ।
नमः करुणा कराय, महेश्वर, सर्वानन्द कराय, भवताभीष्ट कराय, प्रेम **स्वरूपायै नमो नमः** ॥५ ॥

नमः समस्त जगतां महनीय मूर्तये, सच्चिद सुखधाम्ने, पुराण पुरुषाय नमो नमः ।
नमः त्रिविष्ट सुलभं लभाय, नानाक्रीड़ाकराय, चिदानन्द निर्विकाराय, **निखिलेश्वरानंदाय** नमो नमः ॥६ ॥

नमः तन मन रंजनाय, भव भय भंजनाय, असुर निखण्डनाय, गूढ स्वरूपाय नमो नमः ।
नमः सौम्य स्वरूपाय, गूढ चरित्राय, दानी चरित्राय, जागृति रचना सित्त प्रदाय नमो नमः ॥७ ॥

परमेश्वर, आधारेश्वर, तपोवनविहारिणे, पूर्णेश्वर, नाथेश्वर, एकेश्वर नमो नमः ।
नमः प्रकटेश्वर, अतिसिद्ध, महाधीर पुरूषाय, विष्णवे, झंरूपाय, भद्रेश्वर नमो नमः ॥८ ॥

नमः श्री गुरुर्वे, आहुतनाथ, पूर्णिमारुपाय, भवत्वंरुपिणे, सदंसहयोगी नमो नमः ।
नमः विप्रे, वीर्यताप्रदायिने, पूर्वेश्वर, श्रिससहमदेवरुपाय, चित्ताधाराय नमो नमः ॥९ ॥

नमः परंगुरुर्वे गुरौरुपाय, सप्राणनाथाय, आत्मप्रकाशरुपिणे, ब्रह्माण्डनाथाय नमो नमः ।
नमः वैभवेश्वर, प्रचोदनाथाय, मोक्षद्वारकपाटपाटन कराय, सोमामृत सादराये, नमो नमः ॥१० ॥

नमः परात्पर गुरुवे, ब्रह्मस्वरूपाय, निर्विकल्पाय, आज्ञाचक्रदयैति, परमेष्ठि गुरुवर्यै नमो नमः ।
नमः ज्ञान तैराग्य सिद्धयर्थाय, पुष्कर विष्टकराय, आशापूरकाय, संकष्टनाशाय नमो नमः ॥११ ॥

नमः प्रणवरूपाय, श्रींकारेश्वर, पवित्रेश्वर, ब्रह्माण्डरुपाय, निर्वाणरुपाय नमो नमः ।
नमः श्रमरुपाय, गुप्तेश्वर, हंसरुपाय, नरमेश्वर, भ्रांतिनिवारणाय नमो नमः ॥१२ ॥

नमः सनातनेश्वर, हरिश्वर, रक्लेश्वर, हरेश्वर, सर्वेश्वर नमो नमः ।
नमः क्षणेश्वर, मणिकेश्वर, लक्ष्येश्वर, रंजनेश्वर, युक्तेश्वर नमो नमः ॥१३॥

रसायनज्ञ, स्वाधिष्ठिते, पारदरूपाय, रससिद्ध, परमौषधे नमो नमः ।
नमः संगीतमर्मज्ञ, नादस्वरूपिणे, महिमामण्डित, वाद्यप्रिये, मात्रासनाथे नमो नमः ॥१४॥

नमः गिरिराजस्वरूपे, कलिकल्मषनाशिने, ज्वलज्वालामालिने, गजगंधर्वसेविते नमो नमः ।
नमः नित्यशुद्ध बुद्धपरिपूर्ण सच्चिदानंदाय, विश्ववंद्य, भवकण्टकविनाशिने नमो नमः ॥१५॥

नमः सर्व विद्या प्रवक्ताय, सर्वरुप धरं, विभुवाय, आदित्ये, दित्ये, नमो नमः ।
नमः अमितेश्वर, अनंत विभवाय, दीपाय, श्रृद्धाये, अमृताय नमो नमः ॥१६॥

नमः सत्य ज्ञान मथं रुपाय, सर्वोपतवमाशकाय, दार्शनिकाय, धर्मनिललाय, शब्देश्वर नमो नमः ।
नमः अनेक कोटि ब्रह्माण्ड नायकाय, सर्व सिद्धिकराय, भगवतीदत्ताय नमो नमः ॥१७॥

नमः आधिव्याधि हराय, भुक्ति मुक्ति प्रदाय, सर्व सौख्य प्रवादिने, शाश्वताय नमो नमः ।
नमः दुष्टारिष्ट विनाशाय, चिदानंद स्वरुपाय, इन्दूशीतलाय, अशोकाय नमो नमः ॥१८॥

नमः अनुग्रह पठाय, प्रपत्र जनपालनाय, अजायेय, जीवतत्व बोधकाय नमो नमः ।
नमः सहस्त्राक्षेय, कृपानिधमेय, अव्यक्ताय, दिव्याय, अनंताय नमो नमः ॥१९ ॥

महाकाल, मणिपूरवासिने, तंत्रमयं, तंत्ररूपे, तंत्रज्ञ नमो नमः ।
नमः तंत्रनाथ, तंत्रेश्वर, वामदेवाय, कपालिने, घोरेश्वर नमो नमः ॥२० ॥

नमः अघोरे, तनोरुपाय, वज्रेश्वर, उग्राय, घोरतंत्रेश्वर नमो नमः ।
नमः सर्वभूतमाहेश्वर, सर्वभूतेश्वर, विश्वेश्वर, सर्वभूतनमते नमो नमः । ।२१ ॥

नमः पिंगललोचनाय, तनये, कालशमनाय, ज्वलन्नेत्राय, शतानन नमो नमः ।
नमः दिगम्बराय, भूताध्यक्षरुपाय, महातेजेश्वर, मांसाशी, रक्तपः नमो नमः ॥२२ ॥

नमः वटुकरुपाय, कौलेश्वर, कपिलेश्वर, सर्वरक्षास्वरुपिणे, आम्नाय रहस्य प्रदायिने नमो नमः ।
नमः कालमयातीताय, भैरवेश्वर, आम्नायरुपाय, वज्रवेताले, मृतसंजीवने नमो नमः ॥२३

नमः कूष्माण्ड, नीलकण्ठ, प्रचण्डेश्वर, महाज्वालाविकासिने नमो नमः ।
नमः भैरवेश, भस्मवासिने, सिद्धि सेविताय, पुष्टिवर्धने, जड़वासिने नमो नमः ॥२४ ॥

नमः ताण्डवप्रिये, भयहारिणे, नटवर, बहुलोचनाय, यक्षेश्वर नमो नमः ।
नमः कब्धांय, पंचवक्त्राय, अक्षोभ्य, महाभैरवाय, मृत्युञ्जयाय नमो नमः ॥२५ ॥

तत्वेश्वर, अ[illegible]हताय, तत्वाचार्य, तत्वज्ञानेश्वर, सकलतत्वात्मकाय नमो नमः ।
नमः तत्वातीताय, तत्वसिद्धिप्रदायिने, तत्वमयं, तत्वसंकर्षिणे, तत्वरूपिणे नमो नमः ॥२६ ॥

नमः भग[illegible]द, दिव्यहस्ताय, अमृतेश्वर, एकवक्त्राय, मतंगाय नमो नमः ।
नमः दिव्यरुपाय, देवाधिदेव, चराचरनाथ, श्रेष्ठपुरुषे, बहुरुपाय नमो नमः ॥२७ । ।

नमः पशुप[illegible], सुरेश्वर, विराजे, व्योमकेशाय, धनदाय नमो नमः ।
नमः माधव, कमनीयाय, त्रैलोक्यमोहनाय, पथ प्रदर्शनाय नमो नमः ॥२८ ॥

नमः क्षेत्रज्ञाय, स्मरान्तकाय, सिद्धसेविताय, कलानिधये, त्रिलोकपाय नमो नमः ।
नमः निधीशाय, यताध्यक्षाय, कलाकाष्ठाय, कृपास्वरूपाय, लिंगरुपाय नमो नमः ॥२९ ॥

नमः प्रकृतिरुपाय, पुरुषोत्तमाय, रुद्राय, अनुत्तररुपाय, शतोपंथी नमो नमः ।
नमः कष्ण. सदाशिव. विरंचि. भद्रनाथ. शान्तिदाय नमो नमः ॥३० ॥

नमः कृष्ण, सदाशिव, विरंचि, भद्रनाथ, शान्तिदाय नमो नमः ॥३० ॥

नमः अखण्डनि सहस्त्रार जागृत कराय, निर्लिप्ताय, योगमय स्वरूपाय नमो नमः ।
नमः तपोमेयायेय, मार्ग दर्शनीयेय, पतितोद्धारायेय, ऊर्ध्वमुखी जीवनंदभवरायेय नमो नमः ॥३१ ॥

वाकरुपाय, विशुद्धरुपाय, वागर्थाय, वैखरीरुपाय, वाचेय नमो नमः ।
नमः शब्दरुपाय, स्वररुपाय, ह्रस्व रुपाय, दीर्घरुपाय, व्यंजनाय नमो नमः ॥३२ ॥

नमः वैखरेश्वर, मध्यमेश्वर, पश्यन्तेश्वर, परेश्वर, सर्वसौभाग्यप्रदायिने नमो नमः ।
नमः अजपारुपाय, जपेश्वर, नादबिंदुयोगी, मनोहारिणे, मंदहासयुक्ते नमो नमः ॥३३ ॥

नमः शब्दयातीताय, छन्देश्वर, तुरीयातीतेश्वर, तुरियरुपाय नमो नमः ।
नमः जाग्रदेश्वर, स्वप्नेश्वर, सुषुपत्येश्वर, शशीशेखर, शब्दब्रह्मरूपाय नमो नमः ॥३४ ॥

नमः मंत्रमयं, मंत्रस्वरूपाय, मंत्रज्ञ, मंत्रेश्वर, मनोनाथाय नमो नमः ।
नमः मायामन्त्रोषधीमयाय, मनस्थो, मंत्राचार्य, वीर्यमन्त्रप्रदायिने नमो नमः ॥३५ ॥

नमः ज्ञानोपदेशिने, मन्त्रार्थबोधिने, सर्वमन्त्राधिकारिणे, मंत्रज, मंत्रसृष्टा नमो नमः ।
नमः ज्ञानेश्वर, ज्ञानरुपाय, ज्ञान संवर्द्धिने, ज्ञानमयं, ज्ञानचक्षुषे नमो नमः ॥३६ ॥
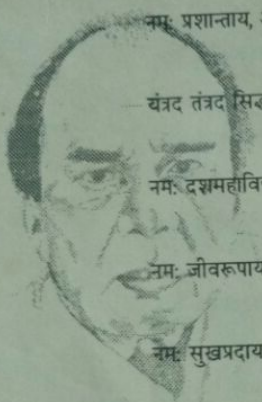
नमः प्रशान्ताय, अष्टगंधिने, भूधराय, भूधराधीशाय, प्रतीभानवान नमो नमः ।
नमः परिचारकाय, विराटरुपाय, शूरवे, दुर्गाय, कान्ताय नमो नमः ॥३७ ॥

यंत्रद तंत्रद सिद्धकरायेय, आज्ञाप्रदायिने, भक्तवत्सल भोला शंकराय नमो नमः ।
नमः नारायण दत्त तेजस्वियै, मंत्रद सिद्धकरायेय, गुणातीताय नमो नमः ॥३८ ॥

नमः दशमहाविद्या स्वरुपिणे, सिद्धाय, कवये, धनवते, प्रीतिवर्द्धनाय नमो नमः ।
नमः शूराय, शान्तजनप्रियाय, हरिणे, पाण्डूलोचनाय, अष्टाधारय नमो नमः ॥३९ ॥

नमः जीवरूपाय, शिव, नादलीन, सूक्ष्मरुपाय, स्थूलरूपाय, अव्यय नमो नमः ।
नमः योगनिद्रास्वरुपाय, कारणरुप, महाकारणरूप, सद्योजात, महादेव नमो नमः ॥४० ॥

नमः सुखप्रदाय, दुखनिवारणाय, मोक्षप्रदाय, अर्थप्रदाय, इच्छारुपाय नमो नमः ।
नमः भोगप्रदायिने, सामर्थ्यवान, कालरूप, सहस्त्रचक्षुणे, नानारुपस्थिता नमो नमः ॥४१ ॥

नमः महत्तत्वरुपाय, आत्मीय, कैलासाचल कन्दरालयकराय, परमशिव नमो नमः ।
नमः भैरवेश्वर्यरुपाय, गोविन्द, अच्युत, आनंदप्रदायिने, प्रेमाधार नमो नमः ॥४२ ॥

नमः सर्वज्ञे, सर्वेश्वर्यप्रदाय, सर्वज्ञानमये, सर्वेप्सित फल प्रदाय नमो नमः ।
नमः सर्वकामप्रदाय, सर्वमंगलकारिणे, सर्वदुखविमोचनाय, सर्वसम्पतप्रदाय नमो नमः ॥४३ ॥

नारायण, बिंदुनाथ, आत्म स्वरूपाय, त्रिकाल ज्ञान संपनाय नमो नमः ।
नमः योगसिद्धिप्रदायिने, जनकाये, लीलालीन, नटराज, पुरुषार्थ प्रदायिने नमो नमः ॥४४ ॥

नमः सर्वविस्तारणाय, कामिने, दुष्टभूतनिषेविताय, समयाचारेश्वर, तुष्टिप्रदाय नमो नमः ।
नमः षडाधाराय, सर्वार्थाय, यर्थाथबोधप्रदाय, जीवन्तरुपाय, रंजनाय नमो नमः ॥४५ ॥

नमः विज्ञानात्मने, सर्वात्मने, व्यापेश्वराय, जालंधरे, पंचपंचेश्वररुपाय नमो नमः ।
नमः भद्ररुपस्थिते, शंभु, भद्रनाथ, तत्पुरुषरुपाय , मोक्षप्रदाय नमो नमः ॥४६ ॥

नमः प्रभवे, विक्रमाय, समष्टिरुपिणे, अनंगरुपाय नमो नमः ।
नमः भूपतये, सम्मोहक, मेधाप्रदाय, हृदयवासिने नमो नमः ॥४७ ॥

नमः अष्टगंधप्रदाय, रजोरुपाय, प्रहाररुपाय, सतमार्गप्रदर्शनाय, जनकरुपाय नमो नमः ।
नमः व्रतरुपाय, निखिलरूपाय, व्योमरूपाय, देहध्यासातीताय, गुणमयातीताय नमो नमः ॥४८ ॥

नमः मदनेश्वराय, सर्वानन्दप्रदायिने, सर्वविघ्ननिवारिणे, अमृतमार्गप्रशस्ताय, मनमोदिने नमो नमः ।
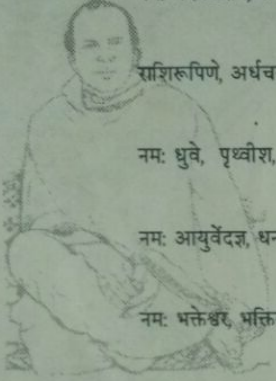
नमः मदनेश्वराय, सर्वानन्दप्रदायिने, सर्वविघ्ननिवारिणे, अमृतमार्गप्रशस्ताय, मनमोदिने नमो नमः ।
नमः लक्ष्यरुपाय, परमानंदरुपाय, सर्वदेवमयाय, पूर्णामृताय, विजयप्रदाय नमो नमः ॥४९ ॥

राशिरूपिणे, अर्धचन्द्रेश्वर, नक्षत्रेश्वर, नवगृहेश्वर, नक्षत्र नेत्राय, गृहगतिनियंत्रे नमो नमः ।
नमः रश्मिरूपाय, दिशारूपिण, नक्षत्ररूपिणे, दिवानाथ, सामुद्रिकज्ञान प्रदायिने नमो नमः ॥५० ॥

नमः ध्रुवे, पृथ्वीश, सर्वऋतुव्यापिने, वह्निमण्डलस्थिते, दिव्य ज्योतिषी नमो नमः ।
नमः विक्रमेश्वर, संक्रमेश्वर, ग्रहणेश्वर, ज्योतिषविशारद, मुहूर्तरूपाय नमो नमः ॥५१ ॥

नमः आयुर्वेदज्ञ, धन्वंतरीरूपाय, चरकरूपाय, वैद्य, आयुर्वेदाचार्य नमो नमः ।
नमः रक्षाक्रन्दकराय, च्यवनरूपाय, स्वरविशेषज्ञ, रत्नस्वरूपाय, भवौषधे नमो नमः ॥५२ ॥

नमः भक्तेश्वर, भक्तिसाध्य, भक्तसाध्य, भक्तानंदविवर्धिने, भक्तस्वरूपे नमो नमः ।
नमः चर्तुर्वगप्रदायिने, भक्तानुग्रहकारिणे, भक्तवत्सलाय, भूपेश्वर्यप्रदायिने, भूपेश नमो नमः ॥५३ ॥

नमः धर्माय, धर्माधाराय, धर्म पाखण्ड विखण्डिने, धर्मराजेश्वर, धर्मेश्वर नमो नमः ।
नमः धर्ममार्गप्रशस्तिने, धर्मबीजसुरक्षिणे, धर्मरक्षिणे, लीलाभिलाषिणे, धर्मराजाय नमो नमः ॥५४ ॥
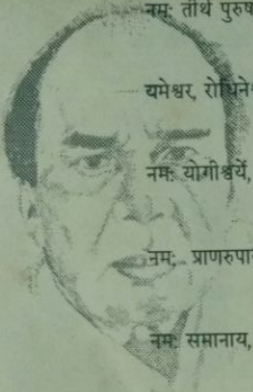
नमः तीर्थ पुरुष, तीर्थफलप्रदायिने, तीर्थेश्वर, तीर्थराजेश्वर, धर्म बिंदुस्वरूपिणे नमो नमः ।
नमः वायुकोटिमहाबलेश्वर, सर्व पाप मोचने, धर्मतोषिणे, महारजोवीर्ययोगी नमो नमः ॥५५ ॥

यमेश्वर, रोधिनेश्वर, मुक्तेश्वर, तारकेश्वर, भ्रमरेश्वर नमो नमः ।
नमः भावेश्वर, विप्रेश्वर, गोपेश्वर, ईश्वररुपाय नमो नमः ॥५६ ॥

नमः योगीश्वर्ये, योगविद, यज्ञरुपाय, सिद्धियोगी, यज्ञेश्वर नमो नमः ।
नमः ध्यानाधिपतये, समाधिपतये, प्राणदात्रे, अष्टांगयोगार्चाय, जगतोद्धारकर्ता नमो नमः ॥५७ ॥

नमः प्राणरुपाय, प्राणविखण्डिने, श्वासमार्गनिवासिने, प्राणेश्वर, त्रासनिर्मूलकारिणे नमो नमः ।
नमः जगन्मित्रे, प्राणचैतन्यकराय, ऋषिरुपिणे, अपानाय, प्राणाय नमो नमः ॥५८ ॥

नमः समानाय, व्यानाय, उदानाय, सर्वाह्लादिने, कुम्भकये नमो नमः ।
नमः शोषकाय, दाहकाय, प्लावके, क्षोभणाय, मोहनाय, मारणाय नमो नमः ॥५९ ॥

नमः प्राणपति, प्राणीपति, पराक्रमाय, अष्टांग योगप्रदायिने, योगरुपाय नमो नमः ।
नमः क्षारकाय, जृम्भकाय, स्तम्भिने, देत्यहनने, जगतत्राणपरायणे नमो नमः ॥६० ॥

नमः तपस्वी, तपोवश्य, तापेश्वर, तपसेश्वर, तपोमयाय नमो नमः ।
नमः प्राणाधिपतये, तापनाशिने, तपः साध्य, यज्ञवर्धन, सर्वव्याधिनाशिने नमो नमः ॥६१॥

णामोंकार[illegible]पाय, नादेश्वर, कालातीताय, सर्वाराध्य, वरदनेत्राय नमो नमः ।
नमः अर्थरुपाय, पर्वताधीश, दीर्घबाहु, मायेश्वर, विद्रोहीस्वरूपाय नमो नमः ।।६२॥

नमः [illegible]रूपाय, कुल नायक, कुण्डलिनी सहस्त्रार जाग्रनाथाय नमो नमः ।
नमः कुण्डलिनी पतिरुपाय, षोडश कला युक्ताय, कामकलारुपाय, ईकार रुपाय नमो नमः ॥६३॥

नमः मातृकारुपाय, कुण्डलये, कुलेश्वर, चित्ररुपे, कुलमार्ग प्रकाशिने नमो नमः ।
नमः सहस्त्रदलमध्यस्थिते, परात्परुपिणे, कुलाकुलस्स्वरूपे, चक्ररुपे, अमारूपे नमो नमः ॥६४॥

नमः निर्वाणरूपे, कुललक्ष्ये, सहस्त्राक्ष, सहस्त्रबाहु, सिद्धाश्रमाधाराय नमो नमः ।
नमः सम्प्रदायेश्वराय, कुलज्ञ, भवपाशनाशिने, षटचक्रेश्वर, मातृकामयाय नमो नमः ॥६५॥

नमः सूक्ष्म शरीर प्रदायिने, सहस्त्ररुप, सहस्त्रपाद, दिव्यरुप, चक्रेश्वर नमो नमः ।
नमः कुण्डलीश्वर, विशुद्ध देहाय, गोस्वामि, हर्षप्रदायिने, पंचकोश विकासिने नमो नमः ॥६६॥
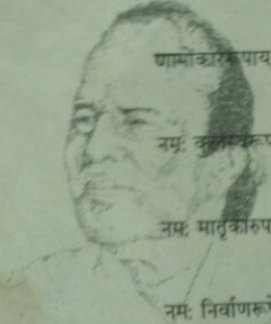
नमः ब्रह्मवादिने, कारण शरीर प्रदायिने, महाकारण शरीर स्थिते, विद्याप्रदायिने नमो नमः ।
नमः सहस्रमुखं, सहस्रकर्ण, सप्तऋषि रुपिणे, शिष्यप्रेमप्रदायिने नमो नमः ॥६७ ॥

यज्ञनेश्वर, नादांतेश्वर, देहेश्वर, देवेश्वर दक्षेश्वर नमो नमः ।
नमः वरुणेश्वर, विमलेश्वर, वागीश्वर, विद्येश्वर, व्यापेश्वर नमो नमः ॥६८ ॥

नमः उदात्तप्रवृत्तिप्रदायिने, अक्षेश्वर, अकुले, कुले, सुषुम्णारुपिणे नमो नमः ।
नमः ब्रह्मावस्थाप्रदायिने, विशाले, वरदायिने, ज्योर्तिब्रह्ममये, नानारुपधारिणे नमो नमः ॥६९ ॥

नमः पंचकोश प्रकाशिने, अन्नमयकोशयुक्ते, प्राणमयकोशझंकृते, मनोमयकोशलयकारिणे नमो नमः ।
नमः आनंदमयकोश बोध प्रदायिने, स्वयंभु, अपराजिते, नानादेह धरा, सूरेन्द्राय नमो नमः ॥७० ॥

नमः सर्वायुधधारिणे, दिव्यास्त्रप्रदायिने, कलिदोषंहरा, नारायणास्त्रप्रदायिने, शस्त्रास्त्ररुपाय नमो नमः ।
नमः ब्रह्मास्त्रविद्याप्रदायिने, पाशुपतास्त्रमर्मज्ञ, त्रैलोक्यसम्राट, तरुणादित्यविग्रहाय, हिरण्यरूपाय नमो नमः ॥७१ ॥

नमः भूतभावनाय, ईश्वरत्वविधायने, ईप्सितार्थ प्रदायिने, अन्तर्यामि, ईशित्वाद्यष्ट सिद्धिदायिने नमो नमः ।
नमः ब्रह्मर्षिवे, अग्निहोत्रफलप्रदायिने, ईक्षणसृष्टाण्डकोटि, पुण्डरीकाक्ष, विप्ररूपाय नमो नमः ॥७२ ॥
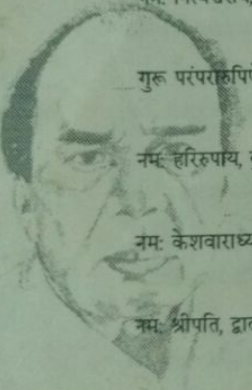
नमः नित्येश्वराय, भैरवीनाथाय, सर्वविद्राविणे, विजयरूपाय, पंचदेवरूपाय नमो नमः ।
नमः अध्यात्मबीजोन्मीलने, आत्मप्रकाशप्रदायिने, चन्द्रशेखर, अभयप्रदानाय नमो नमः ॥७३ ॥

गुरू परंपरारुपिणे, शक्त्येश्वर, ओघरूपाय, सदगुरुवे, जगतगुरुवे नमो नमः ।
नमः नाथरुपाय, सर्वदेहस्थे, शिष्यवन सिचितार्य, अनाथनाथाय, चित्तहराय नमो नमः ॥७४ ॥

नमः हरिरुपाय, दुर्गबन्धविमोचिने, सिद्धये, सौन्दर्येश्वर, तुष्टिप्रदाथ नमो नमः ।
नमः हररुपाय, नित्यतृप्ते, धैर्येश्वर, त्रिवर्गफलप्रदायिने, सर्वसिद्धिस्वरुपिणे नमो नमः ॥७५ ॥

नमः केशवाराध्य, कमलासनस्थिते, भुवनेश्वर, भवाराध्य, भवपाशविमोचिने नमो नमः ।
नमः संयासिन्ये, नित्यशुद्धस्वरूपिणे, कल्याणमूर्त्तये, नवनिधिप्रदाय, अष्टसिद्धिप्रदाय नमो नमः ॥७६ ॥

नमः श्रीपति, द्वादशादित्यरुपाय, निर्मलेश्वर, अष्टमहासिद्धियुक्ताय, कालान्तकाय नमो नमः ।
नमः केशव, करुणामूर्त्तये, कपालमालिने, धाता, सर्वमुद्रास्वरूपिणे नमो नमः ॥७७ ॥

नमः सर्वदारिद्रयदुखहनने, पूर्णताप्रदाय, पुण्यरुपाय, निरुपाय नमो नमः ।
नमः लिंगरुपम, सर्वसाक्षिणे, पापविनाशाय, भवसागर तारणाय, समस्तकर्त्रे नमो ममः ॥७८ ॥

नमः कैवल्यप्रदाय, गिरजेश, आष्काशकोटिविस्तृत, दीक्षाप्रदायिने नमो नमः ।
नमः त्र्यंबकाय, करुणारुपाय, देवाधिदेवाय, शांभवे, कीर्त्तिदायिने नमो नमः ॥७९ ॥

रूरुनाथ, व्याप्तं, शिष्येश्वर, शिष्यमयाय, शिष्यत्वंपूर्णताप्रदाय नमो नमः ।
नमः शिष्य युक्ताय, शिष्यप्रियाय, शिष्यानंद विवर्धिने, शिष्यानुग्रहकारिणे नमो नमः ॥८० ॥

नमः शिष्यभावविहारिणे, शिष्यप्राण, सच्चिदानंद श्रेष्ठशिष्याय, शिष्याधाररूपाय नमो नमः ।
नमः बोधनकर्तारूपाय, पादुकाज्ञानप्रदायिने, सरसीरूहलोचने, श्रीनाथ, सर्वाधारस्वरुपाय नमो नमः ॥८१ ॥

नमः निरुपमाय, निराभासाय, निरामयाय, निराधाराय, निर्गमाय नमो नमः ।
नमः निष्प्रपंचाय, निष्कलंकाय, निर्द्वन्द्वाय, निस्संगाय, नित्यशुद्धबुद्धरुपाय नमो नमः ॥८२ ॥

नमः समस्तकारणरूपिणे, पातकनाशिने, कमलासनपूजिताय, सर्वदेवजनकाय नमो नमः ।
नमः परमशान्तप्रकाशतेजोरुपाय, विन्ध्येश्वर, सर्वशास्त्रमये, गीताप्रबोधिने नमो नमः ॥८३ ॥

नमः घोरसत्वरुपे, नित्यकल्याणकारिणे, ऊर्ध्वपातज्ञानमर्मज्ञ, हत्पद्मस्थिते नमो नमः ।
नमः कामतापविमोचिने, जगत्पूज्ये, निरंजनम, कालचक्षुषे, आनंदसिधुवासिने नमो नमः ॥८४ ॥

नमः सर्वशास्त्रविशारद, कलाकोटिप्रपूजिते, महामोक्षप्रदायिने, महावीर्यवान नमो नमः ।
नमः रोगमुक्तिप्रदायिने, रुपायगृहस्थे, भयनाशिने, क्षमारूपे, सौम्यांबरधाराय नमो नमः ॥८५ ॥

ध्यौंनविर्निमुक्ताय, समनानाथाय, भावान्तरविहारिणे, भावस्थाननिवासिने, अण्वेषक नमो नमः ।
नमः भ्रमविनाशिने, भाग्याधार, भाग्यजनक, भाग्यरूपिणे, भोगप्रदायिने, प्रज्ञावर्द्धिने नमो नमः ॥८६ ॥

नमः भवाब्दिभेदकर्मिणे, अद्वेतरुपाय, अनेकरुपिणे, भवमुद्धाराय, इष्टदायिने नमो नमः ।
नमः नित्यभक्तानंदकराय, चण्डेश्वर, वरदाय, सतोरुपाय, सर्वत्रोपस्थिते नमो नमः ॥८७ ॥

नमः जयमेश्वर, एकेश्वर, इच्छेश्वर, ह्रींशेश्वर, क्लींशेश्वर नमो नमः ।
नमः धन्येश्वर, महादीप्तेश्वर, सौम्येश्वर, भगेश्वर, बिंबेश्वर नमो नमः ॥८८ ॥

नमः प्रकाशरूपाय, विमर्श रुपाय, अमृतप्रदाय, गोनाथ, त्रिवेणीरुपाय नमो नमः ।
नमः आत्मस्वरूपाय, श्रीस्वरुपाय, कामेश्वर, श्री प्रदाय, त्रिगुणात्मक नमो नमः ॥८९ ॥

नमः बिंदुरुपाय, विसर्गरुपाय, कामदाये, अहंकारेश्वर, कामराजेश्वराय नमो नमः ।
नमः राजराजेश्वराय, योनिस्वरूपाय, नादस्वरुपे, चिदविलासये, श्री विद्याचार्य नमो नमः ॥९० ॥
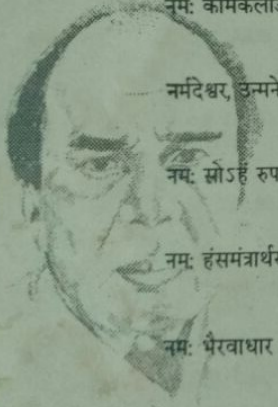
नम: कामकलाउदघाटये, कामधेनुवे, नित्यकामकर्षिणे, अहंकार रुपिणे, कात्यायने नमो नम: ।
नम: ज्योर्तिमयाय, कामरुपाय, ईशान, परंशिवरुपिणे, सोऽहमेश्वर नमो नम: । ।९१ ॥

नर्मदेश्वर, उन्मनेश्वर, चित्तेश्वर, यमुनेश्वर, गंगेश्वर नमो नम: ।
नम: बीजेश्वर, कीलकेश्वर, संपूर्णेश्वर, ललितेश्वर, पंचमेश्वर नमो नम: ॥९२ । ।

नम: सोऽहं रुपाय, महाबिंदुरुपाय, हंसेश्वर, मणिमण्डलवासिने, पुण्डरीकाक्ष नमो नम: ।
नम: अनुग्रहेश्वर, निग्रहेश्वर, आत्मचक्षुषे, दिव्यचक्षुषे, अतिसिद्धय नमो नम: ॥९३ ॥

नम: हंसमंत्रार्थरुपिणे, सच्चिदानंद, मदालसाविद्या प्रदायिने, स्वयं सिद्धे नमो नम: ।
नम: ऊँकाराक्षरमण्डिताय, आद्यनाथ, विद्याधर, मंडलरुपाय, जीवन मुक्ताय नमो नम: ॥९४ ॥

नम: भैरवाधार रुपिणे, तुरियातीताय, परावस्थाये, पराय, त्रिरुपाय नमो नम: ।
नम: त्रिपुरेश्वर, हंसज्ञानप्रदायिने, सदाशिवरुपिणे, सृष्टिकारिणे, संहाररुपिणे नमो नम: ॥९५ ॥

नम: दयानुपवनों, द्रविणाम्बु धाराय, नानारुपाणि विभ्रतमाय, सर्वविध्न हराय नमो नम: ।
नम: नानादैत्यनिहंताय, सर्वशक्ति मयाय, त्रिकाल दर्शनाय, विज्ञान दीपांकुराय नमो नम: ॥९६ ॥

नमः जयरुपिणे, जगत्पिताय, पुण्यदायिने, पुरुषार्थरुपिणे, धीरप्रदायिने नमो नमः ।
नमः षटकलेशहारिणे, मानापमानहारिणे, लक्ष्य स्वरुपिणे, लक्ष्यप्रदायिने, अरण्यरूपाये नमो नमः ॥९७ ॥

मदनेश्वर, सहस्त्रेश्वर, रमापत्ये, त्रिनेत्रयुक्ताय, जगत्प्रभु नमो नमः ।
नमः करुणेश्वर, कार्येश्वर, कर्मेश्वर, कमलेश्वर, कनकेश्वर नमो नमः ॥९८ ॥

नमः ज्योतिश्च्छन्दस्वरुपिणे, क्षत्रियरुपाय, सौभाग्य प्रदायिने, संकल्पविकल्पनाशिने नमो नमः ।
नमः वृर्ष्टिमहावृष्टिनिवारणे, साधुस्वभावयुक्ते, अविद्यानाशिने, तमान्धकार हारिणे नमो नमः ॥९९ ॥

नमः लोकमोहनकारिणे, आत्मबलप्रदायिने, अष्टपाशमुक्तिदायिने, गुणचरिताय नमों नमः ।
नमः मायासंगविहारिणे, शुद्धरुपाय, साधू पायनरुपिणे, नीतिप्रिय, मायापत्ये नमो नमः ॥१०० ॥

नमः समुद्रीश, सुसिद्धिद, अकालमृत्यु भयविनाशिने, सिद्धदेहधारिणे, काशिनाथाय नमो नमः ।
नमः मायाजालमुक्तिप्रदायिने, विशारदे, अपमृत्युहर, बाधानिर्मूलने, गृहस्थे नमो नमः ॥१०१ ॥

नमः वेदरुपाय, उपनिषदरुपाय, ज्ञानध्यानमानदायिने, संहिताधराय, हेरंबरुपाय नमो नमः ।
नमः गुणानन्दस्वरुपिणे, सांगशत्रूविनाशिने, जंतुर्जीवनाथ, स्थिरेश्वर, दिव्यदेहयुक्त नमो नमः ॥१०२ ॥
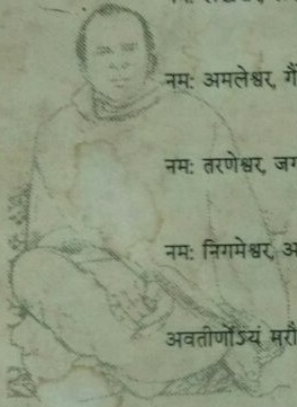
नम: लेखेश्वर, लक्ष्येश्वर, कालेश्वर, पलभेश्वर, पदमेश्वर नमो नम: ।
नम: नामेश्वर, भवेश्वर, भाग्येश्वर, भव्येश्वर, दिव्येश्वर नमो नम: ॥१०३ ॥

नम: अमलेश्वर, गैरेश्वर, सृष्टेयेश्वर, स्थित्येश्वर, संहारेश्वर नमो नम: ।
नम: सकलेश्वर, चिन्त्येश्वर, धरणीश्वर, तारेश्वर, रक्षेश्वर नमो नम: ॥१०४ ॥

नम: तरणेश्वर, जगदेश्वर, अखण्डेश्वर, चेतनेश्वर, यंत्रेश्वर नमो नम: ।
नम: विकरालेश्वर, बुद्धेश्वर, ऐश्वर्येश्वर, गृहस्थेश्वर, संयासेश्वर नमो नम: ॥१०५ । ।

नम: निगमेश्वर, आगमेश्वर, सर्वेश्वर, मोक्षेश्वर, भोगेश्वर नमो नम: ।
नम: ज्योतेश्वर, जड़ेश्वर, विज्ञानेश्वर, मोहिनेश्वर, मुक्तेश्वर नमो नम: ॥१०६ ॥

अवतीर्णोऽयं मरौ भूमौ यथा धन्वंतरि स्वयम, तथा लुप्तौषध ज्ञान चकास दिग्दिगंतरे ।
सूर्य विज्ञान मणये लुप्त ज्ञान प्रकाशक, परं ज्योति स्वरूपाय नमो नारायणाय ते ॥१०७ ॥

सहस्त्रारे भावयन य: पूर्ण समर्पणयुक्तं त्रिसन्ध्यं प्रपठेद यदि ।
स एव सिद्ध, सिद्धाश्रम पदारूढ ब्रह्मभावेन भूयते ॥१०८ ॥

इन्तजार कर लेंगे तमाम उम्र हम,
मगर अफसोस रहेगा कि उम्र कम थां।

नमः तीर्थ पुरुष, तीर्थफलप्रदायिने, तीर्थेश्वर, तीर्थराजेश्वर, धर्म बिंदुस्वरूपिणे नमो नमः ।

देखता हूँ, अब भी आप मिलते है,
मुझे जिंदगी में या नहीं।
कई गुना तेज चलता हूँ,
मैं अपनी उम्र की रफ्तार से।
नमः अनुग्रह पठाय, प्रपत्र जनपालनाय, अजायेय, जीवतत्व बोधकाय नमो नमः।
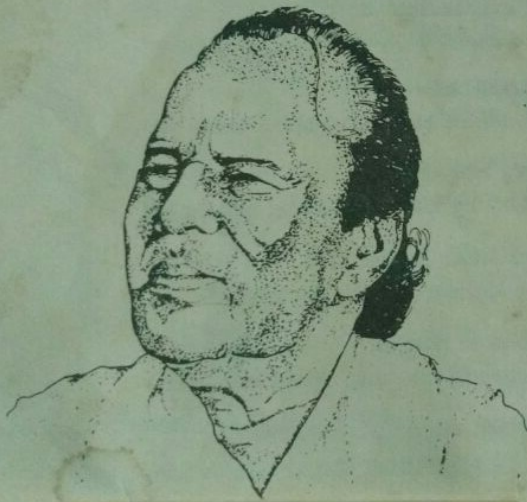
तुम्हारा नूर है जो पड़ रहा है चेहरे पर,
वरना कौन मुझे देखता अंधेरो में।

जमाना याद तुम्हारी न छीन ले मुझसे,

मेरी तो जीवन भर की यही कमाई है।

निखिल सहस्त्रनाम

प्रेरणास्त्रोत
पूज्यपाद गुरुवर
श्री नंद किशोर श्रीमाली

आशीर्वाद
परम पूज्य गुरुदेव
डा. नारायण दत्त श्रीमाली

माध्यम
अमित सक्सैना

निखिल वाणी प्रकाशन
ई-6, एल. आई. जी./ए-40, अरेरा कालोनी. भोपाल-462016

प्रथम संस्करण : अप्रेल, 1995
मूल्य : रु. 10/-

जेटली आफसेट से मुद्रित